

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, होशे, सत्र 6, होशे 7

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

फ्रांसिस एस्बरी सोसाइटी (विल्मोर, केवाई) और डॉ. ओसवाल्ट को इन वीडियो को जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने और उनके प्रतिलेखन की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।

खैर, मुझे लगता है कि पिछले तीन हफ्तों से जब भी मैंने शुरुआत की है, मैंने इज़राइल की स्थिति के बारे में बात करना शुरू किया है, और आखिरकार मैंने इसे पावरपॉइंट पर लिख दिया है। तो, यारोबाम द्वितीय के लंबे शासन के बाद, लगभग 42 साल, उसकी जगह उसके बेटे जकूर्याह ने ले ली, जिसने शायद, वास्तव में, केवल छह महीने ही शासन किया। अगर आपको याद हो, तो बाइबिल का हिसाब है, अगर आप तीन साल से ज़्यादा शासन करते हैं, तो सभी तीन साल गिने जाते हैं।

तो यहाँ, अगर उसने शासन किया, तो यह 752, 752 से 750, शायद 18 महीने होना चाहिए, इससे पहले कि वह शल्लूम नामक व्यक्ति द्वारा मारा गया। शल्लूम ने कुल मिलाकर एक महीने तक शासन किया, उसके बाद उसे मेनाहेम ने मार डाला। मेनाहेम सिंहासन पर बैठा, इसलिए एक साल में, वर्ष 750 में, आपके पास तीन राजा थे।

और लगभग निश्चित रूप से, पेकह, जो यारोबाम के लिए एक अधिकारी था, लगभग निश्चित रूप से जॉर्डन के पार पूर्व की ओर शासन करना शुरू कर दिया, ताकि आप वास्तव में, मेनाहेम के सभी 10 वर्षों के लिए, पेकह भी उसी समय शासन कर रहा था। तो, अगर आप चाहें तो एक दोहरी राजशाही थी। मेनाहेम एक ऐसा राजा था जिसके बाद इन 30 वर्षों में उसका बेटा राजा बना।

पेकहियाह ने फिर से छह महीने से ज़्यादा समय तक शासन नहीं किया, उसके बाद उसे पेकह ने मार डाला। फिर पेकह ने पूरे राज्य पर कब्ज़ा कर लिया और कुल बीस साल तक शासन किया। इस समय, यहूदा के राजा उज्जियाह की मृत्यु हो गई।

योताम संभवतः 15 वर्षों तक उसका सह-शासक रहा था, क्योंकि याद कीजिए, उज्जियाह को कुष्ठ रोग था और वह महल तक ही सीमित था। इसलिए, 539 से 739 में, उज्जियाह की मृत्यु हो गई और योताम लगभग पाँच वर्षों तक पूर्ण शासक बना रहा। उसे स्पष्ट रूप से 735 में अपने बेटे आहाज को सह-शासक के रूप में लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फिर, 730 में, होशे ने पेकह को मार डाला और राज्य के बचे हुए हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया। उस समय तक, यह मूल रूप से सामरिया शहर और उसके आस-पास का इलाका था।

उस समय तक बस यही बचा था। और 722 में, अश्शूरियों ने उससे समझौता कर लिया था। ऐसा प्रतीत होता है कि शुरू में उसे सरकार में मिस्र के लोगों द्वारा सिंहासन पर बिठाया गया था, लेकिन लगभग तुरंत ही उसने अश्शूरियों के साथ गठबंधन कर लिया।

और फिर, अंत में कहीं, उसने मिस्रियों के साथ एक नया गठबंधन बनाने की कोशिश की। और उस समय तक अश्शूरियों ने इसे अपने अधीन कर लिया था। और उन्होंने पूरी चीज़ पर कब्ज़ा कर लिया।

अब, यह अध्याय 7 में विशेष रूप से महत्वपूर्ण होने जा रहा है, जिसे हम आज शाम देख रहे हैं, क्योंकि परमेश्वर इस स्थिति के बारे में बात करता है। और वह कहता है कि तुमने ऐसे राजा बनाए जिन्हें मैंने कभी नहीं चुना। और उन्होंने तुम्हारे साथ वैसा ही व्यवहार किया जैसा तुम चाहते थे।

तो देश में यही स्थिति है। और हिजकिय्याह को आहाज के साथ सिंहासन पर बिठाया गया। तो, उज्जियाह से लेकर हिजकिय्याह तक, आपको कम से कम चार सह-शासन मिले हैं, जहाँ बार-बार, सरकार में विभिन्न गुट बड़े राजा पर बेटों को थोपते हुए दिखाई देते हैं, क्योंकि उनकी विदेश नीति आगे-पीछे होती रहती है।

खैर, वे हमारी मदद करेंगे। नहीं, उन्होंने ऐसा नहीं किया। ठीक है, वे हमारी मदद करेंगे।

नहीं, उन्होंने ऐसा नहीं किया। खैर, चलो ऐसा करते हैं। तो, हिजकिय्याह लगभग 726 में सिंहासन पर बैठा, और आहाज ने 716 तक 10 साल तक शासन किया।

तो, इस समय अवधि के दौरान यही स्थिति है जब उज्जियाह की भविष्यवाणी की गई थी। क्या आपके पास कोई सवाल या समस्या है? ठीक है? यह आपका दिन है। ठीक है, तो हमने पिछली बार इस तथ्य के बारे में थोड़ी बात की थी कि यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि अध्याय 6 कहाँ समाप्त होता है और अध्याय 7 कहाँ से शुरू होता है।

लेकिन फिर भी, अगर हम अध्याय 7, श्लोक 1 से शुरू करें, जब भी मैं इस्राएल को चंगा करना चाहता हूँ, एप्रैम के पाप उजागर हो जाते हैं, और सामरिया के अपराध प्रकट हो जाते हैं। वे छल करते हैं। चोर घरों में सेंध लगाते हैं।

डाकू सड़कों पर लूटपाट करते हैं। लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं है कि मैं उनके सारे बुरे कामों को याद रखता हूँ। उनके पाप उन्हें निगल जाते हैं।

वे हमेशा उनके सामने रहते हैं। लोग क्या सोच रहे हैं? भगवान नहीं देखता। भगवान नहीं जानता कि क्या हो रहा है।

भगवान नहीं देख रहे हैं कि यहाँ क्या हो रहा है। अब, निश्चित रूप से जो कोई भी भगवान में विश्वास करता है, वह जानता होगा कि भगवान जानता है कि क्या हो रहा है। तो, उज्जियाह किस बारे में बात कर रहा है? उन्हें वास्तव में परवाह नहीं थी।

वे ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे भगवान को कुछ पता ही नहीं। वे ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे कोई अंतिम सज़ा नहीं है। वे ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे कोई भगवान ही नहीं है।

लेकिन यह बहुत ही मूर्खतापूर्ण स्थिति है। शायद आपको ब्लेज़ पास्कल की शर्त याद हो। उन्होंने कहा था, अगर आप शर्त लगाते हैं कि ईश्वर नहीं है और आप अपनी शर्त हार जाते हैं, तो आप हमेशा के लिए मुसीबत में पड़ जाएंगे।

अगर आप शर्त लगाते हैं कि ईश्वर है और यह पता चलता है कि ईश्वर है ही नहीं, तो आपने कुछ नहीं खोया है। बेहतर होगा कि आप शर्त लगाएँ कि ईश्वर है। अगर यह बात बस इतनी ही है, तो आप सुरक्षित स्थिति में हैं अगर आप मान लें कि ईश्वर है।

लेकिन ये लोग मानते हैं कि अगर कोई ईश्वर है, तो वह नहीं जानता, परवाह नहीं करता, और इसके बारे में कुछ भी करने में सक्षम नहीं है। लेकिन ध्यान दें कि यह क्या कहता है। ईश्वर, श्लोक 2, मुझे उनके सभी बुरे कर्म याद हैं।

अगर मुझे याद है, तो क्यों नहीं, मुझे पता है। तुम क्या सोचते हो? ठीक है, इसे वापस लाओ, लामा। अगर हम पश्चाताप करते हैं तो वह माफ़ करने को तैयार है। अगर हम पश्चाताप करते हैं और हमें याद है तो वह माफ़ करने को तैयार है।

ठीक है? ठीक है? और कुछ? ठीक है, वह उनके सभी पापों को उसी समय से याद करता है जब उसने उन्हें एक राष्ट्र के रूप में बुलाया था। याद रखने और सिर्फ़ जानने में फ़र्क है। तुम सही हो, यह क्या है? यह दिल है या... यह एक गहरा... हाँ, याद रखना ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

यह सिर्फ़ हाँ, हाँ जानने से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। यह जुड़ाव का हिस्सा है। ठीक है, सही है।

आप दिलचस्प हैं। हम्म-हम्म। जानना सिर्फ़ याद रखने की मौजूदगी ही हो सकती है।

हाँ। हाँ। जानना इसी क्षण है, लेकिन याद रखना, जैसा कि हमने कहा, अपने आप को गहरे स्तर पर शामिल करना है।

जैसा कि लिंडा ने कहा है, यह अतीत से लेकर अब तक जो कुछ भी हो रहा है, उसके साथ एक गहरा जुड़ाव है। इसलिए यह यहाँ जो कुछ भी हो रहा है, उसमें ईश्वर की अधिक व्यक्तिगत भागीदारी का सुझाव देता है। मुझे वे याद हैं।

मैं उन्हें दिल से लेता हूँ। मैं उनके बारे में सोचता हूँ। मैं कल्पना करता हूँ।

इसलिए, आप ऐसा व्यवहार कर सकते हैं जैसे कि ईश्वर है ही नहीं, या फिर आप जो कर रहे हैं उसका कोई महत्व नहीं है। लेकिन ईश्वर यह सब अलग कर देता है। ईश्वर याद रखता है।

आज हम सम्मेलन में अपनी स्थिति के बारे में बात कर रहे थे जब लोगों में पाप के प्रति बहुत कम चेतना है। आज आप ऐसे लोगों से कैसे बात करते हैं जो इन लोगों की तरह हैं... इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। कोई नहीं जानता।

हम उनसे कैसे बात करें? उनका ज़मीर जला हुआ है। उन्हें कोई परवाह नहीं है। ठीक है।

तो, हमें क्या करना चाहिए? हमें हमेशा उम्मीद जतानी चाहिए। आइए - उम्मीद की अभिव्यक्ति।

क्या अच्छा होगा? उसके प्यार के बारे में बात करें। उसके प्यार के बारे में बात करें। उससे सब कुछ माँगें।

आइए हम उससे पूछें। क्या आपके किसी प्रियजन ने कभी आपको दुख पहुँचाया है? क्या आपके किसी प्रियजन ने कभी आपको दुख पहुँचाया है? अपनी गवाही साझा करें। अपनी गवाही साझा करें।

आपने जो गलत किया है, उसके साथ आप क्या करते हैं? आपने जो गलत किया है, उसके साथ आप क्या करते हैं? अगर हमारे कामों का कोई महत्व नहीं है, तो शायद शून्यवाद का विरोध करें। जैसा कि यहाँ ये लोग बता रहे हैं।

ऐसे लोग जिनके कामों का कोई महत्व नहीं है। शून्यवाद की तरह। इसका क्या महत्व है? यह दिखाने के लिए कि चीज़ें कितनी महत्वपूर्ण हैं।

ठीक है। यह दिखाने के लिए कि चीज़ें कितनी मायने रखती हैं। उनके शून्यवाद के विपरीत।

यह सुझाव बिल पियर्स ने दिया था। आज की बात। बड़ी समस्याएँ।

में हैं. अलगाव. अकेलापन.

डिप्रेशन। और इसका एक तरीका है। और कैरोल ने क्या सुझाव दिया है।

मुझे लगता है कि यह भी इसी से संबंधित है। अगर हम उन तक पहुँच सकते हैं।

इस तरह की चीज़ों के ज़रिए. फिर. हम इस बारे में बात करना शुरू कर सकते हैं.

पाप के मुद्दे। और क्या कभी किसी ने आपको चोट पहुँचाई है? क्या कभी किसी ने आपके साथ गलत किया है? और शायद आपको वहाँ झरना मिलेगा। और फिर संभावना।

क्या आपने कभी किसी के साथ गलत किया है? लेकिन यह स्थिति है। वे आज भी ऐसे ही हैं।

कह रहा हूँ. कौन जानता है कि किसे परवाह है? इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि मैं क्या करता हूँ.

और भगवान कहते हैं। ओह हाँ, वह करता है। हाँ, वह करता है।

हम जो देख रहे हैं, उससे मुझे डर लग रहा है।

शुरुआत। किसी और चीज़ की। मुश्किल। हमारे लिए उससे निपटना मुश्किल। ध्यान दें कि दूसरी कविता कैसे समाप्त होती है।

उनके पाप... उन्हें निगल लो। वे हैं।

हमेशा लोग। ओह माय। संस्कृति।

जिसमें पाप समा जाता है। इसलिए हमारे लिए चुनौती नंबर एक है।

मेरे पापों के बारे में क्या? क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे मुझे इस समूह में शामिल किया जा सके? कोई भी तरीका जिससे मैं काम कर रहा हूँ। मानो कुछ ऐसी चीज़ें हैं जिनके बारे में परमेश्वर को पता नहीं है या जिनकी उसे परवाह नहीं है। इसलिए, न्याय परमेश्वर के घर से शुरू होता है।

यही बाइबल कहती है। तो यही वह जगह है जहाँ तुम्हें फेंक दिया जाना चाहिए।

ठीक है। श्लोक तीन से सात। वे अपनी दुष्टता से राजा को प्रसन्न करते हैं। राजकुमार अपने झूठ से। वे सभी व्यभिचारी हैं। भट्टी की तरह जल रहे हैं। जिसकी आग को पकाने वाले को हिलाने की ज़रूरत नहीं है। आटा गूंधने से लेकर उसके फूलने तक।

हमारे राजा के त्यौहार के दिन। राजकुमार शराब से जल जाते हैं। वह माताओं के साथ हाथ मिलाता है। उनके दिल भट्टी की तरह हैं।

वे उसके पास साज़िश के साथ आते हैं। उनका जुनून पूरी रात सुलगता रहता है। सुबह में, यह एक धधकती आग की तरह धधकती है। वे सभी एक भट्टी की तरह गर्म हैं। वे अपने शासकों को खा जाते हैं। उनके सभी राजा गिर जाते हैं। उनमें से कोई भी प्रार्थना नहीं करता।

अब, यहाँ क्या कल्पना है? दोहराई गई छवि क्या है? गर्मी। एक भट्टी जो बहुत ज़्यादा गर्म हो गई है। पत्थर लगभग लाल हो गए हैं। आग।

अब, इस संदर्भ में उस कल्पना का क्या महत्व है? जुनून? वह खुद इसराइल के बारे में बात कर रहा था। वे आग में जल रहे थे। उनकी वासना और उनका जुनून मूर्तियों के बारे में था।

यह गलत दिशा में था। वे अभी भी अपने रीति-रिवाज़ और समारोह करते रहे। लेकिन उनका दिल वैसा नहीं था।

यह ईश्वर के साथ वाचा के बारे में नहीं था। इसमें जुनून तो है, लेकिन यह गलत दिशा में जाने वाला जुनून है - विनाश।

और आपने गौर किया कि किस संदर्भ में? श्लोक 3 में क्या कहा गया है? मनोरंजन। मनोरंजन। हाँ, हाँ।

किसके साथ? राजा के साथ। हाँ, हाँ। एक राजनीतिक जुनून है।

क्या यह आपको बिल्कुल भी जाना-पहचाना लगता है? वे गर्म हैं। लोगों को मारने के लिए पर्याप्त गर्म। भगवान के प्यार के जाइरोस्कोप के बिना।

आप जानते हैं, जाइरोस्कोप, एक बार जब आप उस पहिये को घुमा देते हैं, तो वह अपनी स्थिति बनाए रखेगा, चाहे कुछ भी हो। और ईश्वर का प्रेम, ईश्वर के तरीकों का प्रेम, ईश्वर की सच्चाई का प्रेम, ईश्वर के कानून का प्रेम एक जाइरोस्कोप हो सकता है। और हमारे चारों ओर आग, ज्वाला और जुनून है।

उनके पास कोई जाइरोस्कोप नहीं है। भट्टी की तरह जल रहे हैं। और राजाओं के बारे में क्या? उनके बारे में क्या? इन आयतों के अनुसार उनका रवैया क्या है? पार्टी उनके बारे में है।

पार्टी उनके बारे में है। और क्या? वे शराबी हैं - उनका लौकिक नेतृत्व।

अपनी मर्जी से काम करते हैं। पद 3 की शुरुआती पंक्ति के बारे में क्या? वे अपने लोगों की दुष्टता से खुश होते हैं। ऐसा क्यों होगा? एक राजा को इस बात से खुशी क्यों होगी कि उसके लोग दुष्ट हैं? ठीक है, क्योंकि वह दुष्ट है? वे विचलित और मनोरंजन कर रहे हैं।

वे विचलित और मनोरंजन कर रहे हैं। ठीक है, ठीक है। वह उनकी दुष्टता के कारण उन्हें हेरफेर कर सकता है? वे उससे भी बदतर नहीं हैं? वे लोगों को मारने से संतुष्ट हैं, इसलिए सत्ता के खिलाफ हैं। जब वे लोगों को मारते हैं, तो वे विद्रोह करते हैं क्योंकि वे संतुष्ट हैं।

उसके पास दुष्ट लोगों के लिए ताकत है। वह इसका इस्तेमाल उनके खिलाफ कर सकता है। नहीं।

क्या वह उनकी दुष्टता का इस्तेमाल उनके खिलाफ कर सकता है? लाभ उठा सकता है? उनमें से कोई भी उसका न्याय नहीं कर सकता। उनमें से कोई भी उसका न्याय नहीं कर सकता। बिल्कुल।

अगर लोग वाचा का पालन कर रहे होते तो वे राजा से वाचा का पालन करने की मांग करने की स्थिति में होते। तो यह अच्छा नहीं होगा। लेकिन अगर वे दुष्टता में गहराई से प्रशंसित हैं तो वे नेतृत्व की उसकी विकृति को चुनौती देने की स्थिति में नहीं होंगे।

अध्याय 4. ठीक है। अध्याय 4 का एक उपोत्पाद, जहाँ पुजारी वाचा नहीं सिखा रहे थे। और अब, हम कहाँ हैं? हम इस तरह की स्थिति में हैं।

अब यह संभव है जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में टिप्पणी की है कि श्लोक 5 हमारे राजा का यह त्यौहार हो सकता है शायद वे किसी की हत्या पर खुश हो रहे हैं। वे एक पार्टी कर रहे हैं। खैर, हमने उस आदमी से छुटकारा पा लिया।

फिर से, यह त्रासदी तब होती है जब नैतिकता और धर्म एक दूसरे से अलग हो जाते हैं। मैं यहाँ की हमारी स्थिति के बारे में बार-बार सोचता हूँ। कानून लागू करने के लिए कितने पुलिसकर्मियों की ज़रूरत होती है जब लोग आखिरकार उस जगह पर पहुँच जाते हैं जहाँ उनके पास कानून का पालन करने की आंतरिक इच्छा नहीं होती? जैसा कि आपने सुना है, कई बड़ी कंपनियाँ बेकाबू चोरी के कारण न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और कुछ अन्य जगहों से बाहर निकल रही हैं।

सच में? होम डिपो ने पिछले साल चोरी के कारण एक बिलियन डॉलर खो दिए। एक चेन थी जो अंदर और बाहर के लोगों के साथ काम कर रही थी, और एक पादरी ने पिछले साल eBay पर चोरी किए गए होम डिपो उपकरण बेचकर एक मिलियन डॉलर कमाए। धन्यवाद, श्रीमान अध्यक्ष।

जैसा कि आपने बार-बार उस जलने के बारे में बात की, और यह वही रूपरेखा है जो मलाकी ने दी है जब पवित्र अग्नि विकृत पाप को जलाने के साथ आती है। पाप विकृत संबंध है। वह नष्ट कर देगा।

वह वही है जो शाश्वत जलन के साथ रह सकता है, जैसा कि पाठ में कहा गया है। लेकिन यहाँ जुनून है और मनुष्य की अद्भुत, अद्भुत क्षमता है जो लगातार आगे बढ़ने की क्षमता रखती है। अगर यह मुझे रोमांच देता है, तो वह कैसा रहेगा? और अगर वह मुझे रोमांच देता है, तो वह कैसा रहेगा? इसलिए चोरी अपने आप में पर्याप्त नहीं है।

आपको और अधिक चोरी करनी होगी। इसलिए वह एक ऐसी स्थिति का वर्णन कर रहा है जो, मुझे लगता है, भयावह रूप से वैसी ही है जिसका हम तेजी से सामना कर रहे हैं। और सवाल यह है कि क्या मैं इस भंवर में फंस जाऊंगा, या क्या मैं, हम, क्या हम वाचा के साथ अपने रिश्ते को पोषित करेंगे ताकि हमारे आस-पास जो कुछ भी हो रहा है, वह जाइरोस्कोप जो हमें खड़े होने में सक्षम बनाता है और बाकी सब झूठ का एक गड्ढा है, और यहाँ यह है।

मुझे इसकी परवाह नहीं कि कोई देख रहा है या नहीं। मुझे इसकी परवाह नहीं कि आस-पास कोई पुलिसवाला है या नहीं। मैं ऐसा नहीं करने जा रहा।

क्यों? क्योंकि मैं यीशु से प्यार करता हूँ। परमेश्वर उनके पापों को याद रखता है। वे भूल गए हैं।

तो, श्लोक 7 को देखें। उन्होंने अपने शासक को खा लिया, जिसे उनके सभी राजा पुकारते थे। उनमें से कोई भी मुझे पुकारता नहीं है। इस स्थिति में ऐसा क्या है जो उस स्थिति में शासक होना वाकई खतरनाक बनाता है? यह उन्हें किसी भी तरह से ले जाता है।

आप बाहर हैं। अगर हम ईश्वर में विश्वास नहीं करते, तो हम अपने शासकों से क्या उम्मीद करते हैं? हम उन्हें ईश्वर मानते हैं। हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वे हमारे लिए वही प्रदान करें जो केवल ईश्वर ही प्रदान कर सकता है।

और वे निश्चित रूप से असफल होंगे। तो फिर आप क्या करेंगे? उन बेकार लोगों को बाहर निकाल देंगे। फिर से, मैं आज शाम जितना बनना चाहता हूँ, उससे ज़्यादा राजनीतिक हूँ, लेकिन मैं उनमें यह देख रहा हूँ।

ओह, ट्रम्प ने ऐसा नहीं किया। बिडेन करेंगे। बिडेन ऐसा नहीं कर सकते। कोई और करेगा। हम इन इंसानों से मसीहा बनने की उम्मीद करते हैं और वे नहीं हो सकते। वे नहीं हो सकते। वे अनिवार्य रूप से असफल होंगे। ओह, यह करेगा। ओह, उसने ऐसा नहीं किया। उसे मार डालो। यह करेगा। उसे मार डालो। आह, यह बहुत अच्छा है।

वे सभी भट्टी की तरह गर्म हैं। वे अपने शासकों को खा जाते हैं। उनके सभी राजा गिर जाते हैं। और उनमें से कोई भी मुझे नहीं पुकारता। क्या कोई राजा नहीं है या कोई राजा नहीं है? मुझे लगता है कि दोनों।

मुझे लगता है कि ऊपर से नीचे तक इनमें से कोई भी नहीं है। और आप देखिए, अगर हम जानते हैं कि हमारा जीवन भगवान के हाथों में है, तो हम लोगों को असफल होने की अनुमति दे सकते हैं। हम लोगों को संभावनाओं के साथ प्रयोग करने की अनुमति दे सकते हैं।

यही बात यूसुफ़ को पता थी। उत्पत्ति की किताब का अंत मेरे लिए बहुत दिलचस्प है। याकूब मर चुका है।

और भाई कहते हैं, अरे यार, अब हम इसके लिए तैयार हैं। ओल्ड जो, हाँ, जब बूढ़ा आदमी जीवित था, तो उसने हमारे साथ अच्छा व्यवहार किया। बूढ़ा आदमी अब चला गया है।

तुम्हें पता है कि वह हमारे साथ क्या करने जा रहा है? हम क्या करने जा रहे हैं? ओह, चलो झूठ गढ़ते हैं और जो को बताते हैं कि पिताजी की मृत्यु से पहले, उन्होंने विशेष रूप से जो को हमारे साथ अच्छा व्यवहार करने के लिए कहा था। और जोसेफ ने इसे सीधे समझ लिया और रोने लगा। उसने सोचा कि मैं उस तरह का आदमी हूँ।

उसने सोचा कि मैं बदला लेने की चाह में मूर्ख बन गया हूँ। नहीं, मुझे बदला लेने की ज़रूरत नहीं है।

उसने अपने भाइयों को क्यों नहीं खाया? क्योंकि वह जानता था कि उसका जीवन कभी भी उनके हाथ में नहीं था। वह जानता था कि उसका जीवन परमेश्वर के हाथ में था। इसलिए, उसे उनसे नफरत करने की ज़रूरत नहीं थी।

वाह! यह आज़ादी है। यह आज़ादी है।

इसलिए, हमें किसी राष्ट्रपति से बहुत ज़्यादा चालाकी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। अगर हम ऐसा करेंगे, तो हम निराश होंगे - और हम होंगे।

या फिर हमें उसके बारे में झूठ बोलना होगा और कहना होगा, ठीक है, उसने वास्तव में ऐसा नहीं किया। तो, आप लोग सोचते हैं कि उसने ऐसा किया, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। परमेश्वर राज्यों को खड़ा करता है और उन्हें नष्ट कर देता है, लेकिन चाहे कुछ भी हो, वह फिर भी नियंत्रण में रहता है।

हाँ। लेकिन वे यह भूल गए हैं। वे भगवान को नहीं पुकार रहे हैं।

वे उस पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। तो फिर, श्लोक 8. उस राजनीतिक संकट का सामना करते हुए, वे क्या करते हैं? वे विदेशी देशों को छोड़ देते हैं। एप्रैम राष्ट्रों के साथ घुलमिल जाता है।

एप्रैम एक चपटी रोटी है जिसे पलटा नहीं गया है। यह आधी पकी हुई है, एक तरफ से जली हुई है, और दूसरी तरफ से आटे जैसी है।

विदेशी उसकी ताकत छीन लेते हैं। लेकिन उसे एहसास नहीं होता कि उसके बाल सफ़ेद हो गए हैं। यह दिलचस्प है, है न? लेकिन उसे इस बात का अहसास नहीं होता।

इस्राएल का अहंकार उसके खिलाफ गवाही देता है। इन सबके बावजूद, वह प्रभु के पास वापस नहीं आता, और उसे त्यागा नहीं जाता। तो, दोनों ही बातें हो सकती हैं, जैसे कि हम यहाँ कुछ भाषाओं में लिख रहे हैं।

न्यायाधीशों ने सोचा कि उन्हें एक राजा की आवश्यकता है। उन्हें ठीक से पता था कि उन्हें क्या चाहिए। उनके पास एक राजा था, है न? लेकिन फिर आपने न्यायाधीशों के बारे में बात की, उन्हें लगा कि जब तक उनके पास राजा नहीं था, तब तक भगवान के पास जवाब थे।

और उन्होंने कहा, ठीक है, हम बहुत जल्दी हैं। और फिर, यह वैसा ही है जैसा आप श्लोक 7 में देखते हैं। और यह एक नैदानिक दिखाने वाले राजा के उत्तरों के बारे में है। आपके पास एक राजा है जो आप सभी के पास होने वाला है।

लेकिन फिर आप देखते हैं कि वह कुछ और भी बता रहा है। जज इस प्रक्रिया की शुरुआत में हैं। यह 800 साल बाद की बात है।

भगवान, आपको वह मिल गया जो आपने मांगा था। आपको उस स्थान पर आने में 800 साल लग गए। तो, वे क्या कर रहे हैं? राजाओं ने उन्हें निराश किया है।

तो, वे क्या कर रहे हैं? विदेशी देशों के साथ गठबंधन कर रहे हैं। बिल्कुल। हाँ।

अगर राजा ऐसा नहीं कर सकते, तो विदेशी राष्ट्र हमारे लिए ऐसा कर सकते हैं। और विदेशी राष्ट्र क्या कर रहे हैं? धीरे-धीरे कब्ज़ा कर रहे हैं। वे उनका सारा पैसा ले रहे हैं।

हाँ, हम तुम्हारे साथ सौदा करेंगे। हमें अपना सारा पैसा दे दो। अब, श्लोक 9 में क्या हो रहा है? उनके बाल सफ़ेद हो गए हैं।

यह क्या है? तुम्हें पता है, मुझे लोगों का दूसरों के बारे में इस तरह बात करना पसंद नहीं है। यह एक क्रमिक प्रक्रिया है। यह एक मध्य-जीवन संकट में फंसे व्यक्ति की तरह है।

वह नीचे जा रहा है, लेकिन उसे इसका पता नहीं है। एक दिग्गज के रूप में उसका स्वरूप दूसरों द्वारा नीचे लाया जा रहा है। मुझे फर्नीचर की बीमारी पसंद है।

उसकी छाती दर्राज में गिर गई है। मैं यही कहूंगा। सादृश्य यह है कि वह खुद जैसा है।

सेंट्रल एक मुरझाते हुए फूल की तरह है। यह घाटी के शीर्ष पर है, लेकिन यहाँ है। किसी ने पहले ही यह कह दिया है।

एक मूर्ख बूढ़े आदमी की तरह जो सोचता है कि वे अभी भी जवान और अजेय हैं। और विदेशी गठबंधन इसमें कैसे योगदान करते हैं, क्या आपको लगता है? शायद उन्हें लगा कि वे उनमें नई जान डाल सकते हैं। मुझे लगता है कि आप सही हैं; मुझे लगता है कि यह ठीक है, हाँ, हम मिस्र के साथ एक समझौता करेंगे, और मैं फिर से जवान और मजबूत हो जाऊँगा।

और वास्तव में, वह कहता है, नहीं, मिस्र तुम्हारे साथ जो करेगा, वह तुम्हारी जवानी की बची हुई ताकत को भी खत्म कर देगा। और तुम्हें पता भी नहीं चलेगा कि तुम्हारे साथ क्या हो रहा है। हाँ, मुझे अपनी ताकत बढ़ाने की ज़रूरत है।

और मैं भगवान के पास नहीं जाऊँगा, मैं मिस्र जाऊँगा, या सीरिया जाऊँगा, या, या, या। मुझे लगता है कि यह बहुत दिलचस्प है कि जॉर्ज वाशिंगटन ने कहा, विदेशी गठबंधनों में खुद को उलझाने से सावधान रहें। मैं बस, ओह, जब मैं यह देखता हूँ, तो मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि आप कब से मूसा को पढ़ रहे हैं? ओह हाँ, इज़राइल इसे पृथ्वी के साथ संरेखित करने की कोशिश कर रहा है।

हाँ। जब आप सोचते हैं कि मिस्र का इसराइल के लिए क्या मतलब था, और वे मिस्र जा रहे हैं, तो वे भगवान के पास जाने से बचने के लिए कितनी दूर जाएँगे? वे मिस्र जा रहे हैं, जो उनके लोगों की पीड़ा की पराकाष्ठा है। यह उनके लंबे समय तक सहन करने का एक बेहतरीन उदाहरण है।

आखिरी जगह जहाँ आप जाना चाहते हैं। लेकिन आप और कहाँ जाएँगे? मेरा मतलब है, सीरिया ने बाकी सभी को ले लिया है। मिस्र ही बचा है, इसलिए हमें मिस्र जाना होगा।

और यशायाह, अध्याय 28 से 33 में, बस इसका मज़ाक उड़ाता है। बस इसका मज़ाक उड़ाता है। वह कहता है, आप जानते हैं, फिरौन का खून बह रहा है।

उसके घोड़े मस्त हैं। वह तुम्हारे लिए क्या करने जा रहा है? भगवान एक आत्मा है। तुम्हारे हाथों में क्या समस्या है? तुम्हें समझ में नहीं आ रहा।

और इसलिए, यहाँ फिर से वही है। लेकिन, जब आप ईश्वर को खारिज कर देते हैं, तो विकल्प, चाहे वे कितने भी भयानक क्यों न हों, बहुत अच्छे लगने लगते हैं। लेकिन, ईश्वर? यशायीह? होशे? और ये लोग समकालीन हैं।

क्या आप चाहते हैं कि जब अश्वर हमें जिंदा खा जाएगा, तब हम सिर्फ परमेश्वर पर भरोसा करें? आप चाहते हैं कि हम सिर्फ परमेश्वर पर भरोसा करें? आप मज़ाक कर रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हमें अपनी स्थिति में इस बारे में सोचना चाहिए। परमेश्वर को अंतिम विकल्प बनाना बहुत आसान है।

हमें अपनी सारी योजनाएँ बनानी चाहिए और खुद की देखभाल करने के सभी तरीके ढूँढ़ने चाहिए। आखिरकार, जब वे काम न करें, तो शायद भगवान की शरण में जाएँ। या शायद तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

लेकिन अगर आपको ईश्वर के बारे में नहीं सिखाया गया है, तो आपके पास और कुछ नहीं है। आपके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। जी हाँ, पादरी आपको अपने शिक्षण मिशन में विफल कर चुके हैं।

ठीक है, श्लोक 10 से लेकर अध्याय के अंत तक। कुछ ऐसा है जो वे नहीं करते। क्या आप इसे देखते हैं? वे परमेश्वर की ओर नहीं मुड़ते।

वह अपने प्रभु परमेश्वर के पास नहीं लौटता, न ही उसकी खोज करता है। यह श्लोक 10 है। श्लोक 14।

वे अपने हृदय से मुझे पुकारते नहीं, परन्तु अपने बिछौने पर पड़े हुए विलाप करते हैं। पद 14 का निचला भाग, पद 14 का अंतिम भाग, सकारात्मक रूप से कहता है, वे मुझसे दूर हो जाते हैं - पद 16।

वे अपने परमेश्वर यहोवा की ओर नहीं मुड़ते। याद रखें कि हिब्रू शब्द शुब है जिसका अर्थ है मुड़ना। यह भी अंग्रेजी में बहुत आम है।

मैंने अपना रास्ता चुन लिया है और मैं उस रास्ते पर चलूँगा, भले ही इससे मेरी जान चली जाए। मैं उस रास्ते पर चलूँगा, भले ही इससे मेरी ताकत खत्म हो जाए। और भगवान बच गए हैं।

भगवान बच गए हैं। भगवान के लिए, पीछे मुड़ो। पीछे मुड़ो और अपनी ताकत और अपने जीवन के सच्चे स्रोत की ओर वापस जाओ।

अगर वह ईश्वर है, तो हम उससे प्यार करेंगे। उन्होंने अभी तक प्रभु को नहीं पुकारा है। लेकिन चार बार, तीन बार नकारात्मक और एक बार सकारात्मक, उन्होंने ऐसा नहीं किया।

क्यों नहीं? वे ऐसा नहीं करना चाहते। वे ऐसा क्यों नहीं करना चाहते? क्या वे अपने पाप का आनंद लेते हैं? मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता था।

ठीक है। ठीक है। उनकी सोच में तो यह कोई जीवंत विकल्प भी नहीं है।

न्यू लिविंग में श्लोक 11 कहता है कि इस्राएल के लोग मूर्ख और बुद्धिहीन कबूतरों की तरह हो गए हैं। उन्हें कोई समझ नहीं है। वे बस इधर-उधर भटक रहे हैं, क्योंकि उन्होंने अपने सारे लंगर खो दिए हैं, वे सारे लंगर जो मिस्र से बाहर आने पर उनके पास थे।

ऐसा लगता है कि इतिहास उनसे छूट गया। आपने उससे ज़्यादा समझदारी से कुछ नहीं किया। अब श्लोक 12 को देखिए।

भगवान क्या करने जा रहे हैं? उन पर जाल फेंकेंगे। उन्हें नीचे लाएंगे। और उन्हें सज़ा देंगे।

यह यहाँ नहीं कहा गया है, लेकिन यह किताब में कहीं और कहा गया है। वह ऐसा क्यों करने जा रहा है? क्योंकि वह उनसे प्यार करता है। क्योंकि वह किसी तरह उन्हें वापस अपने होश में लाना चाहता है।

किसी तरह, उन्हें होश में लाओ। मुझे लगता है कि इसके लिए शायद मस्तिष्क प्रत्यारोपण की आवश्यकता होगी। लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा है, जैसा कि हमने किताब में देखा है, जैसा कि हम किताब में और अधिक देखने जा रहे हैं, निर्वासन, वह भयानक चीज जिससे बचने के लिए वे अपनी पूरी शक्ति लगा रहे हैं, यही वह चीज है जो उन्हें भगवान के पास वापस लाने जा रही है।

और फिर, यही बात इसायाह में भी हो रही है। इसायाह, मुझे किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो मेरी मदद करे। मैं यह करूँगा।

मैं यह करूँगा। आप मुझसे क्या कहना चाहते हैं? मैं आपसे जो कहना चाहता हूँ, वह इस पीढ़ी के दिल को कठोर कर देगा। कब तक देश जले हुए ठूठों का मैदान बन जाएगा? लेकिन उन ठूठों में से एक से एक छोटी हरी टहनी निकलेगी।

क्या तुम इतने वफ़ादार बनने को तैयार हो, इसायाह? नहीं, मैं अगला बिली ग्राहम बनना चाहता हूँ। नहीं, मैं एक मेगा चर्च में जाना चाहता हूँ। इस झुंड के साथ नहीं।

आप इस समूह के साथ जो भी मेगा चर्च बनाएंगे, वह मूर्ख कुत्तों का समूह होगा। बढ़िया। आप धर्मशास्त्रीय सेमिनरी में यह बात बहुत जोर से नहीं कहते।

उन पर हाय, क्योंकि वे मुझसे दूर चले गए हैं। उनका विनाश हो, क्योंकि उन्होंने मेरे विरुद्ध विद्रोह किया है। फिर से, तुम लोग दण्ड के लिए तैयार हो।

आप बार-बार आते रहते हैं और मैं बार-बार वही बात कहता रहता हूँ। लेकिन दोहराव ही शिक्षा की आत्मा है। उन पर धिक्कार है।

मैं उन्हें पकड़ लूंगा। उनका विनाश होगा क्योंकि उन्होंने मेरे खिलाफ विद्रोह किया है। अब, तुम एक तेज गति से चलने वाले 18-पहिया वाहन के सामने कदम रखोगे। यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा।

दुनिया इस तरह से बनी है कि अगर हम सृष्टिकर्ता की अवज्ञा करते हुए जीते हैं, तो यह दुखदायी होगा। हमें अपने दिमाग में यह बात लगातार बिठानी होगी। वैसे, पुराने नियम में, परमेश्वर हमेशा लोगों को पीटता रहता है।

खैर, वह उनसे यही कह रहा है कि जब तक तुम मेरी ओर नहीं मुड़ोगे, यह तुम्हें दुख देगा। यह कोई मनमाना तानाशाह नहीं है जो उन्हें इसलिए बर्बाद कर दे क्योंकि उन्होंने मेरे खिलाफ विद्रोह किया। यह व्यक्तिगत नहीं है।

सृष्टिकर्ता कह रहा है कि तुम्हें कुछ खास तरीकों से चलने के लिए बनाया गया है। तुम उन तरीकों से नहीं चलते। यह काम नहीं करेगा।

यह काम नहीं करेगा। अमेरिका, अमेरिका, यह काम नहीं करेगा। मैं उन्हें छुड़ाना चाहता हूँ।

अब, मैं आपसे पद 13 में इस अगले वाक्यांश के बारे में पूछना चाहता हूँ। मैं उन्हें छुड़ाना चाहता हूँ, लेकिन वे मेरे बारे में झूठ बोलते हैं। वे क्या कह रहे हैं? अच्छा, वे क्या कह रहे हैं? परमेश्वर मुझसे प्रेम नहीं करता।

भगवान मेरी बात नहीं सुनते। भगवान को मेरी परवाह नहीं है। वह मुझे भूल गए हैं।

वह कुछ नहीं देता। उसने मुझे छोड़ दिया है। वह मुझे देखता ही नहीं।

वह वहाँ नहीं है। क्या भगवान, वे और क्या झूठ बोल रहे हैं? वह स्थिति को हल नहीं कर सकता वह मुझे गंभीर से बचा नहीं सकता मैं उन्हें छुड़ाना चाहता हूँ, लेकिन मैं नहीं कर सकता क्योंकि उनकी पूरी कहानी गलत है। वे अपने दिल से मुझे पुकारते नहीं हैं, बल्कि अपने बिस्तर पर खुद को मारते हुए विलाप करते हैं। उन्होंने खुद को काट लिया, अपने देवताओं या मस्तिष्क और नई शराब से अपील की।

जैसा कि मैंने पहले कहा, पतझड़ में वनस्पति देवता मर जाते हैं और पाताल लोक में चले जाते हैं। और सवाल यह है कि क्या वह वापस आएंगे? तब तक नहीं जब तक आप उनका एक अच्छा अंतिम संस्कार नहीं करते तब आपको यहां एक वास्तविक जागरण करना होगा। और जागरण का एक लंबा, लंबा इतिहास है लगभग तीन हजार साल लंबा अपने मृत दादा के लिए बहुत ज्यादा नशे में धुत होकर चेतावनी दी गई थी तो देखिए हमें वास्तव में कितना दुख है लेकिन आप देवता मेरी जरूरतों के आपूर्तिकर्ता हैं मुझे लगता है चालीं, क्यों ठीक है क्योंकि आप भगवान का आनंद नहीं ले सकते आप एक अच्छा अनुष्ठान करके उन्हें इसकी आपूर्ति नहीं करवा सकते आप केवल उनके सामने आत्मसमर्पण कर सकते हैं और भरोसा कर सकते हैं कि वह ऐसा करने जा रहे हैं। अरे यार। इसके अलावा कोई और तरीका होना चाहिए।

मैं उन्हें प्रशिक्षित करता हूँ और उनके हाथ को मजबूत करता हूँ ताकि वे वार न करें। मुझे लगता है कि हम झूठ के बारे में बात कर रहे हैं। वे सभी गलत बातें कहते हैं, खैर, आप जानते हैं, जमानत। वह वास्तव में लगभग 51% समय काम करता है। बिल्कुल नहीं, मुझे लगता है कि यह उस तरह की बात है। हाँ, हाँ, समस्या को बंद करो। हमारे बारे में बुरी बातें कौन कहता है? हाँ, वहाँ अन्य विचार हैं? ऐसे ही। क्या वे ईश्वर के खिलाफ साजिश करते हैं? हाँ, एक बार जब अल्लाह ने किसी भूमि पर कब्ज़ा कर लिया, तो वह हमेशा के लिए उसकी हो जाती है। खैर, अल्लाह ने लगभग 1500 साल पहले इज़राइल की भूमि पर कब्ज़ा कर लिया था। इसलिए, यहूदी अतिचारी हैं। मैं थोड़ा मुस्कुराता हूँ जब मैं लोगों को यह कहते हुए देखता हूँ, ओह हमें हमास और इज़राइल के बीच शांति के लिए प्रार्थना करने की ज़रूरत है। यह वारसाँ यहूदी बस्ती और उसके बीच शांति के लिए प्रार्थना करने जैसा है। हाँ, मुझे नहीं लगता कि यह काम करेगा।

सर्वोच्च की ओर नहीं मुड़ते। वे एक दोषपूर्ण धनुष की तरह हैं। उनके नेता उनके अहंकारी शब्द के कारण तलवार से मारे जाएँगे।

फिर उसकी हंसी का मज़ाक उड़ाया जाएगा। मिस्र के गठबंधन के लिए आपने जो भी पैसा खर्च किया है। आप जानते हैं। ठीक है, उन्होंने आखिरकार प्लेटो के बारे में बात करना बंद कर दिया, उनमें से एक ने कहा प्रोफेसर, तो हम हैं, और आप यहाँ हैं। और वह उठ गया, हम आपके हैं, और आप हैं अगर हमारे जीवन में से किसी में भी पाप है तो सौदे में। और हमारी मदद करें, मुझे इसे आपके सामने घोषित करने और इससे दूर होने में मदद करें। एक तरफ, हमारी मदद करें, ताकि हम राजनीतिक प्रक्रिया को उसकी सभी कठिनाइयों के कारण टाल न सकें। दूसरी तरफ, हमें यह मानने से मुक्त करें कि राजनीतिक प्रक्रिया अंततः एक समस्या को हल कर सकती है। ऐसा करने में हमारी मदद करें।

हमें अच्छे नागरिक बनने में मदद करें। हमें ऐसे पुरुष और महिला बनने में मदद करें जो खुशी-खुशी कानून का पालन करें, चाहे कोई और ऐसा न करे, लेकिन आपके लिए अपना प्यार व्यक्त करने के तरीके के रूप में। धन्यवाद, यीशु। आपके नाम में हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।